भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
03.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 505 का उत्तर

थावे जंक्शन पर पिट लाइन/यार्ड सेवाएँ

505. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि थावे जंक्शन पर तीन प्लेटफार्म हैं, वाटरिंग हाइड्रेट, चार्जिंग, निगरानी लाइट/रोलिंग-इन या रोलिंग-आउट सेवाओं की जाँच के लिए थावे से नई दिल्ली तक सुपर फास्ट रेलगाड़ी सेवाएँ शुरू करने हेतु पिट लाइन/यार्ड सेवाओं का निर्माण आवश्यक है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि इस क्षेत्र से 200 से अधिक बसें चलती हैं जो रेल यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, जिससे रेलवे को राजस्व की हानि हो रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा थावे जंक्शन से सुपर फास्ट रेलगाड़ी की अनुपलब्धता के कारण रेलवे की राजस्व हानि को रोकने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(घ) क्या संबंधित माननीय संसद सदस्य द्वारा बार-बार दिए गए अनुस्मारक और पत्रों पर रेलवे द्वारा विचार नहीं किया जाता है और यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या रेलवे इसी मुद्दे के संबंध में पूछे गए पिछले प्रश्नों का उचित उत्तर नहीं दे रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): पिट लाइन/यार्ड सुविधाओं को परिचालनिक और अनुरक्षण की आवश्यकतानुसार योजनाबद्ध और निष्पादित किया जाता है। वर्तमान में, थावे जंक्शन पर तीन प्लेटफार्म हैं, जिनपर पानी भरने की सुविधा, रोलिंग इन/आउट सुविधा, चार्जिंग और निरीक्षण लाइट की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा, छपरा, मऊ, बलिया, आजमगढ़, गाजीपुर सिटी, वाराणसी

सिटी और बनारस में पिट लाइन की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जो थावे और उसके आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान और निकट भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त हैं।

वर्तमान में, थावे को 12 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवाओं सहित 36 रेलगाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है, जो प्रतिदिन औसतन 5264 यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं और पटना, गोरखपुर, अहमदाबाद, सूरत, अमृतसर आदि जैसे विभिन्न गंतव्यों से जोड़ती हैं। हाल ही में, 15133/15134 छपरा-अनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस शुरू की गई है, जो थावे और दिल्ली के बीच संपकर्ता प्रदान करती है। इसके अलावा, 19045/46 सूरत-छपरा ताप्ती गंगा एक्सप्रेस को भी थावे तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलगाड़ियों की शुरूआत एक सतत् प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता, प्रतिस्पार्धी मांगों आदि के अध्यधीन है।

रेलवे को रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, परामर्शदात्री समितियों आदि से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के अभ्यावेदन/अनुरोध प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे अभ्यावेदन/अनुरोध प्राप्त होना एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अभ्यावेदनों/अनुरोधों का केंद्रीकृत संग्रह नहीं रखा जाता है। बहरहाल, इन अभ्यावेदनों/अनुरोधों आदि पर निर्धारित प्रक्रिया/दिशानिर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाती है और समय-समय पर यथा व्यवहार्य एवं उचित कार्रवाई की जाती है।

******